

AZADI KA AMRUT MAHOTSAV

AWARENESS PROGRAMME TO AVOID THE SINGLE USE PLASTIC

[6th October, 2021]

Single use plastic is one of the most prevalent causes of pollution including environmental as well as water pollution. It is hazardous for our health and there is a dire need to avoid this type of plastic in our daily activities with its eco-friendly replacement.

Keeping this in view and as part of the celebrations being carried out under **Azadi ka Amrit Mahotsav** of, the Extension Division of Forest Research Institute, Dehradun organized an awareness programme on discouraging the single use plastic where a lecture was delivered on “**Discouraging single use plastic**” by Dr. Vineet Kumar, Scientist-G, Chemistry and Bio-Prospecting Division of the institute. Ms. Richa Misra, Head Extension Division welcomed all the participants and invited the Chief Guest Shri R. P. Singh, Head Silviculture & Forest Management Division to inaugurate the programme put introductory remarks. In his inaugural speech, he mentioned that it is the time to stop the single use plastic with eco-friendly alternative and cotton and jute bags are better options to carry the material. Dr. Vineet Kumar spoke about the single use plastic and its types with their chemical structure. He mentioned that single use plastic is very harmful for human beings, animals and even marine biodiversity. The production of single use plastic bags and other plastic items releases toxic chemicals that can cause serious disease among those involved in the production of it. He suggested remedies from the single use plastic by the concept of reduce, reuse and recycle.

The programme concluded with the Vote of thanks delivered by Dr. Charan Singh, Scientist-F, Extension Division of the institute.

आजादी का अमृत महोत्सव प्लास्टिक के एकल उपयोग से बचने के लिए जागरूकता कार्यक्रम [६ अक्टूबर, २०२१]

एकल उपयोग प्लास्टिक पर्यावरण के साथ-साथ जल प्रदूषण सहित प्रदूषण के सबसे प्रचलित कारणों में से एक है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है और हमारे दैनिक गतिविधियों में इस प्रकार के प्लास्टिक से बचने की सख्त जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के विस्तार विभाग ने **आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत** सिंगल यूज प्लास्टिक को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जहां डॉ. विनीत कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, रसायन विज्ञान और बायो प्रॉपेक्टिंग प्रभाग द्वारा “**एकल उपयोग प्लास्टिक को हतोत्साहित**” पर व्याख्यान दिया गया। श्रीमती ऋचा मिश्रा, प्रमुख विस्तार प्रभाग

ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और मुख्य अतिथि श्री आर.पी. सिंह, प्रमुख वनपालन एवं वन प्रबंधन विभाग को कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए एवं परिचयात्मक टिप्पणी आमंत्रित किया। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने उल्लेख किया कि यह पर्यावरण के अनुकूल विकल्प के साथ एकल उपयोग प्लास्टिक को रोकने का समय है और सामग्री ले जाने के लिए कपास और जूट बैग बेहतर विकल्प हैं। डॉ. विनीत कुमार ने सिंगल यूज प्लास्टिक और इसके प्रकार और उनकी रासायनिक संरचना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक इंसानों, जानवरों और यहां तक कि समुद्री जैव विविधता के लिए भी बहुत हानिकारक है। सिंगल यूज प्लास्टिक बैग और अन्य प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन से जहरीले रसायन निकलते हैं जो इसके उत्पादन में शामिल लोगों में गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक से रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल की अवधारणा का सुझाव दिया।

डॉ. चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ, संस्थान के विस्तार प्रभाग द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



Amar Ujala
7-10-2021

समुद्री जैव विविधता को नष्ट कर रहा प्लास्टिक

देहरादून। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत बुधवार को वन अनुसंधान संस्थान में वैज्ञानिक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर गंभीर चिंता जतायी।

वक्ताओं ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक इंसानों, जानवरों और पर्यावरण के साथ समुद्र की जैव विविधता को भी नष्ट कर रहा है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विनीत कुमार ने कहा कि प्लास्टिक से बने उत्पादों से जहरीले रसायन निकलते हैं। इनका असर इंसानों, जानवरों के साथ ही पर्यावरण पर पड़ रहा है। डॉ. विनीत कुमार ने प्लास्टिक के रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल पर जोर दिया। अन्य वक्ताओं ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक रोकने को लेकर सभी को जागरूक होना होगा। सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के साथ-साथ जल प्रदूषण सहित प्रदूषण के सबसे प्रचलित कारणों में से एक है। यह हमारी सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। सेमिनार में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. चरण सिंह, आरपी सिंह, रिचा मिश्रा समेत कई वैज्ञानिकों ने संबोधित किया। मा.सि.रि.

Awareness Programme To Avoid The Single Use Plastic

Dehradun (The Hawk): Single use plastic is one of the most prevalent causes of pollution including environmental as well as water pollution. It is hazardous for our health and there is a dire need to avoid this type of plastic in our daily activities with its eco-friendly replacement.

Keeping this in view and as part of the celebrations being carried out under Azadi ka Amrit Mahotsav of, the Extension Division of Forest Research Institute, Dehradun organized an awareness programme on discouraging the single use plastic where a lecture was delivered on "Discouraging single use plastic" by Dr. Vineet Kumar, Scientist-G, Chemistry and Bio-Prospecting Division of the institute. Ms. Richa Misra, Head Extension Division welcomed all the participants and invited the Chief Guest Shri R. P. Singh, Head Silviculture & Forest



Management Division to inaugurate the programme put introductory remarks. In his inaugural speech, he mentioned that it is the time to stop the single use plastic with eco-friendly alternative and cotton and jute bags are better options to carry the material. Dr. Vineet Kumar spoke about the single use plastic and its types with their chemical structure. He mentioned that single use plastic is very harmful for human beings, animals and

even marine biodiversity. The production of single use plastic bags and other plastic items releases toxic chemicals that can cause serious disease among those involved in the production of it. He suggested remedies from the single use plastic by the concept of reduce, reuse and recycle. The programme concluded with the Vote of thanks delivered by Dr. Charan Singh, Scientist-F, Extension Division of the institute.